यह कोशिश नहीं की कि वहां जाकर के उस पानी का नमूना हासिल करते ?

श्री हुमायूं कबीर : यह करीब तीन रोज बाद आब्जरवेटर को मालूम हुआ और उस टाइम तक वह पानी मिलना मुश्किल था।

SHRI M. GOVINDA REDDY: May I know, Sir, if the Government are not making an arrangement to assess the radiation here?

SHRI'HUMAYUN KABIR: Sir, that •appears to be a very far-fetched interpretation. We have no definite data. But we are advised that such rain, though rare, is not entirely unusual, and the explanation which has been .suggested very tentatively is that probably it was due to chimney smoke from some factory.

SHHI M. GOVINDA REDDY: May I know, Sir, if the Report of the Atomic Energy Commission which has just been published has come to the notice of the Government, in which even the United States' scientists have agreed that if the thermonuclear experiments are carried on on this scale, they are dangerous to humanity, and therefore, should it not be the earnest concern of our Government to watch these things?

SHHI HUMAYUN KABIR: Certainly, Sir, if these atomic explosions are carried on, there is a danger to humanity, and all meteorological observatories have been asked to watch any unusual happenings.

सहकारी कृषि

*२७२. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सहकारी कृषि की प्रणाली की जांच-पड़ताल के लिये जो दल चीन भेजा गया था उसकी सिफारिशों को देखते हुये सरकार ने क्या निर्णय किया है; और

(ख) क्या राष्ट्रीय विस्तार सेवा क्षेत्रों में सहकारी कृषि पर तजुर्बे किये जायेंगे; यदि हां, तो कब से और कहां कहां ?

t [CO-OPERATIVE FARMING

*272. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FOOD AND-AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the decision taken by Government in the light of the recommendations made by the team which was sent to China to enquire into the co-operative farming system there;; and

(b) whether experiments on cooperative farming will be started in National Extension Service Blocks; if' so, when and where?]

सहकार मंत्री (डा० पी० एस० देशमुख): (क) इन सिफारिशों पर खूब विचार हो रहा है।

(ख) जी हां। पाटिल डेलीगेशन रिपोर्ट पर निर्णय होते ही राष्ट्रीय विस्तार सेवा ब्लाक्स में सहकारी कृषि समितियों के संगठन के लिये एक विस्तृत योजना बनायी जायेगी।

†[THE MINISTER OF CO-OPERATION (DR. P. S. DESHMUKH): (a) The recommendations are under active consideration.

(b) Yes, Sir. A detailed scheme for the organisation of co-operative farming societies in National Extension Service Blocks will be evolved as soon as a decision on the Patil Delegation Report is taken.]

श्री नवाब सिंह चौहान : जैसा कि मा० मंत्री महोदय ने कहा कि इस पर खूब विचार हो रहा है, तो इस खूब विचार के दौरान में क्या क्या कार्यवाही हुई है, क्या इस पर कुछ थोड़ा सा प्रकाश डाल सकते हैं ?

†[ ]English translation.

डा० पी० एस० देशमुख : पाटिल कमेटी की जो सिफारिशें हैं उन पर "खूब विचार" के माने हैं "एक्टिव कंसिडरेशन" हो रहा है ।

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या सरकार ने इसी दौरान में राज्य सरकारों से भी इस रिपोर्ट के ऊपर कोई रायें मांगी हैं ? अगर मांगी हैं तो किन किन सरकारों के पास से रायें आई हैं, कौन इसके मुआफिक हैं और कौन इसके खिलाफ ?

डा० पी० एस० देशमुख : जी हां, सभी सरकारों से मांगी हैं और उनको बतलाया भी है कि वे पाटिल कमेटी के रिकमंडेशन पर गौर करके एक सितम्बर तक जवाब भेज दें । अब तक कोई जवाब नहीं आये हैं ।

श्री अमोलख चन्द : इस पर फैसला कब तक होता रहेगा ?

डा० पी० एस० देशमुख : फैसला जल्दी ही होगा ।

SHRI M. GOVINDA REDDY: May I know, Sir, under whose active consideration the Report is? Also, may I know whether they have associated any practical agriculturists with this consideration, as it is not the habit of the Government to take the help of practical agriculturists in such matters?

DR. P. S. DESHMUKH: That consideration is at the Government stage. We will consult the Planning Commission.

श्री बी० बी० शर्मा : क्या यह सम्भव है कि जब कोआपरेटिव फार्मिंग होगी, तब जितने किसान हैं, उन सबके खेत ले लिए जायेंगे ?

डा० पी० एस० देशमुख : यह हमने कहीं नहीं कहा कि हम किसी की जमीन जबरन से लेंगे और न ही हमारा ऐसा इरादा है । यह तो वालियन्टरी तरीके से फार्मिंग होगी।

श्री बी० बी० शर्मा : क्या यह सच है कि सैकेंड फाइव इयर प्लानिंग के निर्माताओं ने यह सजेशन नहीं दिया है कि प्रोडेक्शन टारगेट्स को पूरा करने के लिए कोआपरेटिव फार्मिंग करके सब की जमीन एक कर दी जायेगी और किसान की अपनी कोई जमीन नहीं होगी?

श्री ए० पी० जैन : सैकेंड फाइव इयर प्लान में यह साफ कर दिया गया है कि जितनी सहयोगी कृषि फार्मिंग बनेगी, वह मालिकों की रजामंदी से बनेगी, किसी के ऊपर जबरन कोई चीज नहीं की जायेगी । रही टारगेट मुकर्रर करने की बात, टारगेट जरूर मुकर्रर किया जायेगा । लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि किसी के ऊपर जबर्दस्ती हो या जब्र किया जाय ।

SHRI DEOKINANDAN NARAYAN: Sir, there are so many co-operative farming societies at present working in India. May I know how far they have proved successful upto now?

SHRI A. P. JAIN: Well, I must confess that not many of them have proved to be successful. In fact, these cooperative societies are of various patterns. Some are co-operative societies in the true sense, namely, the process of production is co-operative. Others are not fully co-operative societies in the sense that only services have been co-operativised.

SHRI M. H. SAMUEL: Is the Government aware that Mr. Mao-Tse Tung has admitted the failure of co-operative farming in China in the last Peoples' Congress and are we taking any lesson from there, are we taking it from failure?

SHRI A. P. JAIN: That is my friend's information, not mine.

श्री ज० रा० कपूर : क्या यह बात सत्य है कि केन्द्रीय सरकार और उत्तर प्रदेश की सरकार में सहयोगी समितियों द्वारा कृषि उत्पादन के संबंध में, अपने अपने अनुभवों के कारण मतभेद है और यदि यह बात सत्य

है तो क्या केन्द्रीय सरकार श्रौर उत्तर प्रदेश की सरकार के बीच इस विषय में कुछ विचार विनिमय हुश्रा है या नहीं। श्रगर हुश्रा है तो उसका क्या श्रंतिम निर्णय निकला है?

श्री ए० पी० जैन : श्रानरेबुल मेम्बर उत्तर प्रदेश से श्राये हैं।

श्री ज० रा० कपूर : मैं श्रौर श्राप एक ही जगह के हैं।

श्री ए० पी० जैन : श्री कपूर तो काफी सतर्क रहते हैं श्रौर उनसे कोई बात छिपी नहीं रहती है।

श्री ज० रा० कपूर : दूसरी बात का मुझे पता नहीं है। पहली बात के बारे में कुछ मतभेद है। लेकिन इस मतभेद के संबंध में कुछ विचार-विनिमय केन्द्रीय सरकार श्रौर उत्तर प्रदेश की सरकार के बीच में हुश्रा है या नहीं। यह बात मेरे श्रधिकार में नहीं है कि मैं कैबिनेट के सीक्रेट जान सकूं।

श्री ए० पी० जैन : ऐसी बातचीत तो बराबर होती रहती है।

श्री ज० रा० कपूर : तो श्रंतिम निर्णय क्या हुश्रा है ?

(No reply.)

SHRI VIJAY SINGH: Is it a fact that some time before a Panel on Land Reform was constituted by the Planning Commission to collect facts and figures regarding co-operative farming? If so, what was the result of that investigation?

SHRI A. P. JAIN: An Evaluation Committee was appointed which visited a number of farms. The Committee found the working on many farms to be defective. They have suggested certain remedial measures. They also found that the laws of lands in some States were not helpful to the formation of co-operative farms. All those questions have been taken into account and appropriate requests and/ or directions have been issued to the State Governments.

SHRI P. S. RAJAGOPAL NAIDU: Is the Government aware that the institution of collective co-operative farming has been a thorough failure in countries like Bulgaria and Rumania and that those countries are now reverting to the old peasant proprietorship?

SHRI A. P. JAIN: Some things are a success and some are failures and one cannot say that they have been absolutely successful or absolute failures but we are trying to evolve a pattern of our own. It is clear that we have got very large number of small and uneconomic holdings. If the owners of these holdings have to take advantage of the higher techniques, then we must have comparatively larger units. I think there is no escape from cooperative farming in India.

श्री राम सहाय : क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि किसी विदेशी एक्सपर्ट ने कोई रिपोर्ट गवर्नमेंट के पास इस तरह की भेजी है कि भारतवर्ष में कोश्रापरेटिव फार्मिंग सक्सैसफुल नहीं हो सकता है ?

श्री ए० पी० जैन : मैं यह बात नहीं जानता कि श्रानरेबुल मेम्बर के दिमाग में कौन सी रिपोर्ट है। विदेशी लोग तरह तरह की बातें बतलाते हैं। कोई सोशलाइज्ड इंस्टीट्यूशन पर विचार करते हैं तो कोई कोश्रापरेटिव फार्मिंग पर विचार करते हैं।

SHRI M. BASAVAPUNNAIAH: Is the Government aware that the Andhra Government is disbanding tenants' co-operative societies which are in existence for the last twenty-five years?

SHRI A. P. JAIN: I am not aware of any such thing, Sir.

SHRI M. BASAVAPUNNAIAH: Is the Government aware that the land provided to them is also being taken away from them?

SHRI A. P. JAIN: I did not catch the question, Sir.

SHRI M. BASAVAPUNNAIAH: The land that is being provided 1,0 the tenants' co-operative societies for the last twenty-five years being taken away today.

SHRI A. P. JAIN: I am not aware of it.

श्री राम सहाय : मेरा निवेदन यह है कि क्या किसी ने इस तरह की कोई रिपोर्ट पेश की है या नहीं ?

श्री ए० पी० जैन : यदि ग्रानरेबल मेम्बर के दिमाग में कोई खास रिपोर्ट है जिसके बारे में कहना है, अगर मुझे उसकी कुछ याद दिलायें तब तो मैं बतलाने की कोशिश करूंगा ।

श्री राम सहाय : क्या जर्मनी के किसी डाक्टर ने कोई रिपोर्ट पेश की है ?

श्री ए० पी० जैन : मेरे ध्यान में जर्मनी का कोई डाक्टर, नहीं है ।

MR. CHAIRMAN: Question No. 273.

SHRI D. P. KARMARKAR: M|ay we take 282 also along with this, Sir? That question has a bearing on question No. 273.

MR. CHAIRMAN: Mr. Deb, he wants to answer your question also now.

SHRI S. C. DEB: All right, Siij.

MR. CHAIRMAN: We shall take both the questions together, 273 and 282.

MANUFACTURE OF ANTIDOTE TO INFLUENZA AT PASTEUR INSTITUTE.

♦273. SHRI M. VALIULLA: Will the Minister of HEALTH be pleased to state:

(a) whether the Pasteur Institute, Coonoor, has manufactured any antidote to influenza; and

(b) if so, in what quantities?

THE MINISTER OF HEALTH (SHRI D. P. KARMARKAR) : (a) Anti-Influenza vaccine is under preparation at the Government of India Influenza Centre at the Pasteur Institute, Coonoor.

(b) Three thousand doses of the vaccine will be ready by the end of August 1957.

LOW-COST INFLUENZA VACCINE

*282. SHRI S. C. DEB: Will the Minister of HEALTH be pleased to state whether Government are aware that a low-cost vaccine has been developed to combat influenza on a mass scale? If so, do Government propose to obtain such vaccine?

THE MINISTER OF HEALTH (SHRI D. P. KARMARKAR) : A small quantity of influenza vaccine prepared from the strain of the virus responsible for the current epidemic, was being offered by certain countries at a cost of approximately 6 shillings per dose.

The Government of India do not consider it necessary to import influenza vaccine from abroad especially in view of the cost involved and the temporary nature of immunity it ensures.

SHRI M. VALIULLA: Was any vaccine prepared at Coonoor to meet the epidemic that spread recently in India?

SHRI D. P. KARMARKAR: As my hon. friend knows, this epidemic came suddenly. Now, for producing vaccine, we have to have samples from the blood of the patients suffering from influenza. From them, the virus is isolated and a vaccine is prepared on the strength of that virus. There was no time to. produce any vaccine because that epidemic came fairly suddenly and, therefore, it was not possible to produce any vaccine to meet that.

SHRI S. C. DEB: May I know whether Government have thought of any plan for the large-scale manufacture of this vaccine in India?